

अपना स्थान बजाय हिंगुरकगोडा (Hingurakgoda) के सिगोरिया (Sigoria) पर क्यों नहीं जमाया जहां कि एक दूसरी अमेरिकन टीम ने जमाया था। यह जो आलोचना निकली है वह अधिक लगर नहीं रखती।

श्री ज० रा० कपूर : यह आलोचना भी तो निकली थी कि विद्युतशक्ति उत्पादन के पर्याप्त साधन उन लोगों के पास नहीं थे ?

श्री राज बहादुर : इन लोगों के जानने से पहले अप्रैल में ही डा० दास, जो कि इस टीम के नेता थे, सीलान गए थे और उन्होंने विद्युत के साधन स्थानीय सरकार से प्राप्त कर लिये थे।

श्री कन्हैयालाल दूँ० बँचा : क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि सब साइंटिस्ट्स भारतीय ही थे या विदेशी भी थे ?

श्री राज बहादुर : जहां तक मेरी जानकारी है भारतीय टीम में सभी भारतीय साइंटिस्ट्स थे।

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या यह सच है, जैसी कि अखबारों में सूचना निकली थी, कि बादल के आ जाने की वजह से ये साइंटिस्ट्स कोई निरीक्षण नहीं कर सकें और वे वापस आ गए ?

श्री राज बहादुर : इसमें पांच प्रकार के आबजस् वेशंस होते हैं। आप्टिकल (optical), स्पेक्ट्रो फोटोमेट्रिकल (spectro photometrical), एस्ट्रोनामिकल (astronomical), आइनोस्फेरिकल (ionospheric), जियोमैग्नेटिक (geomagnetic)।

श्री व्य० कृ० ढंगः इसके लिए हिन्दी क्या है ?

श्री राज बहादुर : हिन्दी में इनका पर्यायवाची अभी मुझे मालूम नहीं है, मुझे खेद है। अगली दफा मैं कोशिश कर के बताऊंगा लेकिन जब उनको बताऊंगा तो वे भी इतने ही समझ में नहीं आएंगे। आप्टिकल से मतलब है कि जो आंखों से देखा जा सके, स्पेक्ट्रो फोटोमेट्रिकल का मतलब है कि जो स्पेक्ट्रम होता है.....

MR. CHAIRMAN: That will do.

भारत और पाकिस्तान के बीच रेलों का चलना

* 56. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत और पाकिस्तान के बीच रेल यातायात के लिए दोनों देशों के बीच अभी हाल के हुए समझौते की शर्तें क्या हैं और इसके अन्तर्गत कौन सी नई और पुरानी लाइनें चलाई जावेंगी; और

(ख) उन रास्तों पर कौन सी रेलें चलने लगी हैं ?

† [TRAIN SERVICES BETWEEN INDIA AND PAKISTAN]

* 57. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for RAILWAYS be pleased to state:

(a) the terms of the agreement recently entered into between the Governments of India and Pakistan for rail traffic between the two countries and the names of the old and new rail routes to be operated thereunder; and

(b) the trains which have already commenced running on those routes?]

रेल तथा परिवहन उपमंत्री (श्री आ० बी० अलमंसन): (क) और (ख). सूचना का विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) भारत और पाकिस्तान के बीच रेल-यातायात के बारे में जो समझौता हुआ उसकी खास-खास बातें इस प्रकार हैं :—

(१) १ जून १९५५ से पश्चिमी पाकिस्तान से नीचे दी हुई लाइनों पर रेल-यातायात शुरू किया जाए :—

† English translation.

(क) खोखरापार (पाकिस्तान)----मुनाबाव (भारत) ; और

(ख) कसूर (पाकिस्तान)----फिरोजपुर (भारत) ।

(२) नीचे दिए हुए स्टेशनों के बीच सीधी गाड़ियां चलाई जाएं :—

(क) सहारनपुर (भारत) होकर लाहौर (पाकिस्तान) और कलकत्ता (भारत) ;

(ख) लाहौर (पाकिस्तान) और दिल्ली (भारत) ;

(ग) दिल्ली (भारत) होकर लाहौर (पाकिस्तान) और बम्बई (भारत); और

(घ) खोखरापार (पाकिस्तान) होकर हैदराबाद (सिंध-पाकिस्तान) और अहमदाबाद (भारत) ।

इस बात की पूरी कोशिश की जाए कि १-६-१९५५ से कलकत्ता (भारत) और लाहौर (पाकिस्तान) के बीच सीधी गाड़ियां चलने लगें । मुसाफिरों को सीमा के स्टेशनों तक के टिकट उस दश में ही दिए जाएंगे और दूसरे दश की सीमा के पहले स्टेशन पर उन्हें फिर टिकट खरीदना होगा । चालू नियमों के अनुसार दोनों दशों की रेलों में सवारी डिब्बों की अदला-बदली की जाएगी और यदि जरूरी हुआ तो निर्धारित दर पर डिब्बों के किराए (Hire charges) का हिसाब होगा ।

(३) १ मई १९५५ से पूर्वी पाकिस्तान, पश्चिमी और उत्तरी बंगाल और आसाम के बीच रेल यातायात फिर जारी किया जाए ।

इस यातायात में पूर्वी बंगाल रेलवे का हिस्सा देने के लिए जो विशेष व्यवस्था की गई है उस पर समझौता हो गया है और एक अलग खाता बनाकर पूर्वी बंगाल रेलवे को भेज दिया गया है । एक महीने के लेन-देन के हिसाब के लिए चिटागांव के इम्पीरियल बैंक में ३ लाख रुपए (Revolving Credit) जमा कर दिए गए हैं ।

पूर्वी बंगाल रेलवे को इस यातायात के हिसाब में एक महीने में जितनी रकम देनी होती है वह इस जमा-खाते से दी जाती है और समझौते के अनुसार इस जमा-खाते का फिर पूरा तीन लाख कर दिया जाता है ।

(ख) खोखरापार (पाकिस्तान) मुनाबाव (भारत) लाइन पर बाड़मेर (भारत) और मुनाबाव (भारत) के बीच दोनों ओर से एक सवारी गाड़ी चलने लगी है । यह लाइन खोखरापार (पाकिस्तान) होकर छोर (पाकिस्तान) और मुनाबाव (भारत) के बीच चलने वाली पश्चिमोत्तर (पाकिस्तान) रेलवे की गाड़ी से मेल कराती है ।

१ अगस्त, १९५५ से सहारनपुर (भारत) होकर लाहौर (पाकिस्तान) और कलकत्ता (भारत) के बीच एक सीधी सवारी गाड़ी चलाई गई । इसमें एक डिब्बा ऊंचे दर्जे का और एक निचले दर्जे का लगा दिया गया है । ऊपर के (भाग) (२) के (ख), (ग) और (घ) में बताए गए दूसरे स्टेशनों के बीच सीधी गाड़ियां चालू नहीं की गई हैं क्योंकि यातायात पर्याप्त नहीं है । यातायात के बढ़ने पर इन स्टेशनों के बीच गाड़ियां चलाने के प्रश्न पर विचार किया जाएगा ।

†[THE DEPUTY MINISTER FOR RAILWAYS AND TRANSPORT (SHRI O. V. ALAGESAN): (a) and (b). A statement giving the information is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) The following are the main terms of the agreement entered into between India and Pakistan for rail traffic between the two countries:—

I. Rail traffic should be restored with West Pakistan on

(i) Khokrapar (Pakistan)—Munabao (India), and

(ii) Kasur (Pakistan)—Ferozepore (India) routes with effect from 1st June 1955.

†English translation.

II. Through services should be introduced between—

- (i) Lahore (Pakistan) and Calcutta (India) via Saharanpur (India),
- (ii) Lahore (Pakistan) and Delhi (India),
- (iii) Lahore (Pakistan) and Bombay (India) via Delhi (India), and
- (iv) Hyderabad (Sind-Pakistan) and Ahmedabad (India) via Khokrapar (Pakistan),

and every endeavour should be made to commence the through service between Lahore (Pakistan) and Calcutta (India) from 1st June 1955.

Passengers will be booked by each country up to its border station; passengers having to rebook at the first border station in the other country. Rakes for the passenger trains will be interchanged, as per the rules in force, between the railways of the two countries and adjustment of hire charges carried out at the agreed rates, if necessary.

III. Traffic between West Bengal and North Bengal and Assam via East Pakistan should be resumed with effect from 1st May 1955.

Special arrangement for the payment of E. B. Railway's share on this traffic has been agreed upon, and separate accounts as distinct from that for other traffic are prepared and sent to the E. B. Railway. A revolving credit of Rs. three lakhs has been deposited with the Imperial Bank at Chittagong to cover a month's transactions. The amount due to E. B. Railway on the traffic in a month is paid from this credit, which is recouped to keep it at the agreed amount of three lakhs.

(b) One passenger train each way between Barmar (India) and Munabao (India) has started running on the Khokrapar (Pakistan)—Munabao (India) route which connects with N. W. (Pakistan) Railway train run-

ning between Munabao (India) and Chhor (Pakistan) via Khokrapar (Pakistan).

Through passenger service with one upper class and one lower class carriage between Lahore (Pakistan) and Calcutta (India) via Saharanpur (India) was introduced with effect from 1st August 1955.

Through services have not been introduced between the other points mentioned at (ii), (iii) and (iv) under II above, since traffic requirements do not justify them. Their introduction will be considered when traffic develops.]

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या सरकार को इस बात की सूचना है कि जब पाकिस्तान और हिन्दुस्तान के यात्री दूसरे देशों के क्षेत्रों में रेलों में जाते हैं तो उन्हें रेलों में जाते हुए डर लगता है इसलिए उनमें इतने लोग यात्रा नहीं कर रहे हैं जितने कि होना चाहिए?

श्री लाल बहादुर : क्या भीड़ कम होती है इसलिए डरते हैं?

श्री नवाब सिंह चौहान : नहीं, दंगों के समय की पुरानी तारीख पर विचार करके दूसरे देश की टरिटोरी में साधारणतः चलते हुए लोग डरते हैं इसलिए जितने लोग यात्रा में होने चाहिए, जितने लोगों को यात्रा करनी चाहिए, उतने लोग यात्रा नहीं करते हैं।

श्री लाल बहादुर : मेरे ख्याल में डर बिल्कुल नहीं है, बहुत इत्मीनान से यात्रा करते हैं।

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या दोनों सरकारों ने इस सम्बन्ध में कोई समझौता किया है कि जब इन रेलों में लोग एक देश से दूसरे देश को यात्रा करते हैं तो इन यात्रियों की सेफ्टी की व्यवस्था की जाए?

श्री लाल बहादुर : अगर जरूरत मालूम हो कि उनकी सेफ्टी की, बचाव की जरूरत है, तब तो ऐसा करें? नहीं तो कोई जरूरत नहीं है। तब भी रेलों पर हम कुछ पुलिस वर्गों का प्रबन्ध करते हैं।

SHRI S. N. MAZUMDAR: Is there any possibility of resumption of through traffic between Calcutta and Siliguri via East Pakistan?

SHRI LAL BAHADUR: Passenger traffic?

SHRI S. N. MAZUMDAR: Passenger and goods both.

SHRI LAL BAHADUR: Goods trains are passing through East Pakistan.

SHRI S. N. MAZUMDAR: Not up to Siliguri?

SHRI LAL BAHADUR: No.

SHRI S. N. MAZUMDAR: But may I know whether the Government has considered the proposal and taken it up with the Pakistan Government?

SHRI LAL BAHADUR: This matter has not been taken up till now.

SHRI S. N. MAZUMDAR: May I know what is the attitude of the Government with regard to this matter in view of the fact that the journey from Calcutta to North Bengal on the present route is very difficult and particularly liable to be interrupted during the floods?

SHRI LAL BAHADUR: We will welcome any such proposal and we are prepared to consider that.

SHRI B. C. GHOSE: Sir, I would like to know whether the Government do not consider it necessary that this question should be taken up immediately with the Pakistan Government because of the difficulties experienced by passengers on that side of West Bengal?

SHRI LAL BAHADUR: As I said, we will welcome any such agreement and in fact, we are already considering it.

SHRI B. C. GHOSE: May I ask whether the Government have not come to a decision already? It is not a question of welcoming the suggestion. Have they taken up the matter with the Pakistan Government?

SHRI LAL BAHADUR: We are considering it, I have said.

SHRI B. P. AGARWAL: May I know whether in the present agreement there is any provision to have more trains between East and West Bengal? At present there is only one solitary train running and it is always very crowded.

SHRI LAL BAHADUR: It is not quite clear whether he is referring to passenger train or goods train.

SHRI B. P. AGARWAL: Passenger train.

SHRI LAL BAHADUR: If there are more passengers, we will certainly provide more coaches.

DR. RADHA KUMUD MOOKERJI: Since the goods traffic has been restored between Calcutta and Siliguri, or rather Jalpaiguri, why should it not be followed by passenger traffic?

SHRI LAL BAHADUR: We have to do these things in stages. We cannot take up everything all at once.

श्री ज० रा० कपूर : दोनों ओर से आने जाने वाले यात्रियों की संख्या अब तक कितनी रही अथवा प्रतिदिन का औसत क्या है ?

श्री लाल बहादुर : संख्या तो इस समय हमारा पास नहीं है ।

SHRI B. P. AGARWAL: May I know whether the hon. Minister is aware that there is very heavy detention of passenger trains at the border stations which causes serious inconvenience to passengers and may I know whether there is any possibility of reducing the time of detention?

SHRI LAL BAHADUR: With the through traffic arrangement which has been made, I think that the time of detention has already been reduced considerably and the passengers do not feel that much inconvenience which they used to feel before.